वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 350 शुक्रवार 18 अप्रेल 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय का सप्तम दीक्षांत समारोह आयोजित

गुरु दक्षिणा के अंतर्गत विद्यार्थी विश्वविद्यालयों में पेड़ लगाने का कार्य करें, संस्कृत और संस्कृति के संरक्षण के लिए कार्य हो: राज्यपाल

विश्वविद्यालय संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता को आधुनिक दृष्टि प्रदान करे : लोकसभा अध्यक्ष

जयपुर. कासं

राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि संस्कृत भाषा नहीं, भारत की महान संस्कृति और मानव संस्कारों की जननी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में शिक्षा क्षेत्र में अच्छा मनुष्य बनाने के लिए कार्य किया जाए। उन्होंने गुरु दक्षिणा के अंतर्गत शिक्षार्थियों को अपने विश्वविद्यालयों में पेड़ लगाने का कार्य किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे जहां विद्यार्थी पढ़े हैं, वहां से उनका सदा के लिए आत्मीय नाता बना रहेगा। राज्यपाल बागडे गुरूवार को जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि संस्कृत और संस्कृति के संरक्षण के लिए सभी मिलकर कार्य करें। उन्होंने भरतमुनि के नाट्यशास्त्र की चर्चा करते हुए कहा कि शिव का तांडव नृत्य और तमाम हमारा कला कौशल संस्कृत भाषा के जरिए ही जन जन तक पहुंचा है। राज्यपाल ने महर्षि आर्यभट्ट, भास्कराचार्य आदि की चर्चा करते हुए कहा कि भास्कराचार्य ने गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत को बहुत पहले ही प्रतिपादित कर बताया था कि गृह नक्षत्र और पृथ्वी में परस्पर आकर्षण रहता है। हर वस्तु पृथ्वी के आकर्षण बल के कारण जमीन पर गिरती है। यह बल सूर्य, पृथ्वी, चंद्रमा और नक्षत्रों को कक्षा में रहने की अनुमति देता है। उन्होंने संस्कृत ग्रंथों के जरिए भारतीय ज्ञान परम्परा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संस्कृत भाषा के प्रसार के साथ उसके ज्ञान को जन जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा सभी भाषाओं की जननी रही है। बिरला ने कहा कि महापुरुषों ने भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा को संस्कृत भाषा में ही रचा।

उन्होंने संस्कृत भाषा की प्राचीनता के साथ उसकी वैज्ञानिकता को आधुनिक दृष्टि देने के लिए संस्कृत विश्वविद्यालय को कार्य करने का आह्वान किया। राज्य के संस्कृत शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि संस्कृत विश्व की प्राचीन भाषाओं की सूत्रधार है। उन्होंने संस्कृत शिक्षा को आधुनिक ज्ञान विज्ञान का आधार बताया। इससे पहले जूना अखाड़े के प्रमुख स्वामी अवधेशानंद गिरि ने सनातन भारतीय संस्कृति के प्राचीन ग्रंथों में निहित ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने विद्या वाचस्पति उपाधि प्रदान किए जाने पर विश्वविद्यालय का आभार जताया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे ने सभी का अभिनंदन किया और विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत के उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में प्रगति प्रतिवेदन पढ़ा। राज्यपाल एवं कुलाधिपति बागडे एवं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दीक्षांत समारोह में जूना अखाड़े के प्रमुख स्वामी अवधेशानंद गिरि को विद्यावाचस्पति की मानद उपाधि प्रदान कर उनका सम्मान किया। इससे पहले उन्होंने विश्वविद्यालय के न्यूज लेटर 'प्रवृत्ति:' के दीक्षांत समारोह विशेषांक का लोकार्पण किया।

जगफूल चौधरी हुए सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

बुधवार को 76 वें राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर राजस्थान पुलिस द्वारा सांस्कृतिक,खेलकूद आदि आयोजन हुए वही सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित भी किया गया।इस दौरान जयपुर ग्रामीण के पचकोडिया पुलिस चौकी में पूर्व में प्रभारी पद पर कार्यरत और वर्तमान जयपुर ग्रामीण में सहायक उपनिरीक्षक यातायात जगफूल सिंह चौधरी को सराहनीय कार्य करने पर उप महानिरीक्षक पुलिस एवं सह पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण आनंद शर्मा द्वारा उत्तम सेवा चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। जगफूल सिंह ने आगे भी इसी प्रकार कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने की बात कही।

दुर्गापुरा में चन्द्र प्रभ विधान का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभ जी में आज नमोकार किट्टी ग्रुप द्वारा चन्द्र प्रभ विधान का आयोजन किया गया ।इस विधान में किट्टी ग्रुप के अलावा भी अनेक श्राविकाओं ने भाग लिया।यह आयोजन किट्टी ग्रुप की एक सदस्या के दो पोतों के जन्म-दिवस पर उनकी खुशहाली व शुभकामनाओं के लिए किया गया। विधान 105माताजी विज्ञाश्री द्वारा रचित है जिसमें सभी ने बारी बारी से अर्ग

चढाये, कुल 70 अर्ग समर्पित किये गये। इसका आयोजन ग्रुप की अध्यक्षा व संयोजिका श्रीमती सुमति अजमेरा के निर्देशन व श्रीमति आशा पाटनी के अथक सहयोग से शुरू हुआ। विधान के बीच-बीच में श्रीमती लक्ष्मी भौंच व श्रीमती सुरबाला ने अर्ग बोले व समापन पर कई भजन गाये गये व इन भजनों पर श्रीमति मनोरमा चांदवाड, संतोष चांदवाड, प्रेमलताजी,आशाजी पाटनी,मुन्नाजी अलियारीवाली,लक्ष्मीजी आदि ने खूब तालियां बजाकर नृत्य किये व अन्त में भगवान चन्द्र प्रभ की आरती की। डां शान्ति जैन 'मणि' ने इस सफल आयोजन पर सभी श्राविकाओं का आभार व्यक्त किया ।अन्त में सभी को ग्रुप की तरफ से जलपान कराया। इस आयोजन पर मंदिर अध्यक्ष प्रकाश चांदवाड, मंत्री राजेन्द्र काला व कोषाध्यक्ष विमल गंगवाल तथा डां.एम.एल जैन 'मणि' ने अपनी शुभकामनाए दी है।

भारत बंद

शांति प्रिय जैन समाज के विरुद्ध हाल में घटित अत्याचारों के विरोध में

मुंबई में जैन मंदिर तोड़ने के विरोध में

MP में जैन साधुओं पर हमलों के विरोध में

आए दिन Road Accident में जैन संतों के हताहत होने के विरोध में

नेताओं द्वारा जैनों के प्रति अभद्र टिप्पणियों के विरोध में

बाबा रामदेव द्वारा भगवान महावीर स्वामी के अपमान किए जाने के विरोध में

अखिल भारतीय सकल जैन समाज के आह्वान पर

भारत बंद

दिनांक 24/04/25 गुरुवार

निवेदक

जय कुमार जैन-बड़जात्या

शिरोमणि संरक्षक

श्री दिगम्बर जैन भव्योदय अतिशय क्षेत्र, रेवासा

संरक्षक

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर समिति, धाबास, जयपुर

प्रभु स्तुति भगवान से बातचीत करने का एक तरीका है: स्वास्तिभूषण माताजी

केकड़ी. शाबाश इंडिया। मानव मात्र को प्रतिदिन प्रभु स्मरण एवं स्तुति अवश्य करनी चाहिए ,इससे अपने जीवन मे पूर्व में किए गए खोटे कर्मों का क्षय होता है। संतो की मुख वाणी, प्रभु की मुखवाणी को शब्दों को व्यक्त करने का साधन है जिससे हम ज्ञानार्जन प्राप्त कर सकते हैं । प्रभु स्तुति भगवान से बातचीत करने का एक तरीका है । यह उदगार बोहरा कॉलोनी स्थित श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के समीप शिवम वाटिका में गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ने अपने धर्मोपदेश में कहे। उन्होंने कहा कि तीर्थ यात्रा, तीर्थ वंदना सौभाग्यशाली, पुण्यशाली जीव ही कर सकता है और पुण्य फल को प्राप्त कर लेता है । अतः तीर्थ यात्रा , वंदना करके व आचार्य भगवन व 24 तीर्थंकरों की स्तुति कर मोक्ष मार्ग प्रशस्ति कर सकते है । प्रातः जिनाभिषेक,शांति धारा, जिनेंद्र अर्चना एवं धार्मिक क्रियाएं आर्यिका ससंघ के सानिध्य में संपन्न हुई । शांति धारा करने का सौभाग्य त्रिलोकचंद कमलेश कुमार राजकुमार कालेडा परिवार एवं ओमप्रकाश गोविंद कुमार राजकुमार सदारा परिवार ने प्राप्त किया । भगवान महावीर व आचार्य श्री का चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन कैलाश चंद्र दीपक कुमार जूनियाँ वालों ने द्वारा किया गया। पाद प्रक्षालन का सौभाग्य ओमप्रकाश ताराचंद प्रेमचंद पुनीत कुमार बड़ला परिवार को प्राप्त हुआ। शास्त्र भेंट करने का चांदमल भेरूलाल गोयल बावड़ी वालों को प्राप्त हुआ। धर्म सभा के प्रारंभ में मंगलाचरण शकुंतला राँवका ने किया प्रियंका दीदी व माताजी के सानिध्य में आनंद यात्रा संपन्न हुई । धर्म सभा का संचालन कपिल जैन शास्त्री द्वारा किया गया । रमेश बंसल पारस जैन मीडिया प्रभारी से प्राप्त जानकारी। संकलन अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी 9929747312

श्री श्याम देव स्कूल ने परिंडे लगाए

नरेश. शाबाश इंडिया

रावतसर। श्री श्याम देव स्कूल भोमपुरा में गुरुवार को परिंडे विद्यालय में बच्चों को अत्यधिक गर्मी को देखते हुए जीव जंतुओं के लिए पानी की व्यवस्था करने के लिए विद्यालय परिसर में बच्चों संग परिंडे बांधे गए। बच्चों को अपने घरों , छतों और आस पड़ोस में जीवों के लिए परिंडे बांधने के लिए प्रेरित किया गया। ध्यान रहे कि पिछले वर्ष बरसाती सीजन में विद्यालय ने बच्चों को अत्यधिक पेड़ पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया था। आज के कार्यक्रम में विपुन , कल्पना,इकनूर, वंश, कुनाल, यश्वी,गोरव,दक्ष,पुनम,मारना,हरुनी,पियु, पल्लवी, दिव्यांशी, आर्व,मन्नत, हिमांशु, पुनित, महेश और टीनू जो नव प्रवेशित बच्चे हैं उन्होंने भाग लिया। किरणबाला भादू, अशोक शर्मा, सोहन लाल, सोनू, संदीप कड़वासरा आदि ने सहयोग किया और उपस्थित रहे।

दीपक जैन ने जैन समाज का गौरव बढ़ाया

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। बड़े ही हर्ष और गौरव की बात संपूर्ण मालवा सहित मध्यप्रदेश के साथ साथ भारत के लिए गौरव की बात है कि भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू द्वारा विगत 11 एवं 12 अप्रैल को स्लोवाकिया का राजकीय दौरा किया गया राष्ट्रपति के साथ एक डेलिगेशन भारत के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र के महत्वपूर्ण पदाधिकारी का भी गया था। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस डेलिगेशन में एमपी मध्य प्रदेश इंदौर से ब्लू कर्सर इन्फोटेक कंपनी के डायरेक्टर दीपक जैन सिघंई स्लोवाकिया उपस्थित रहे। यह सम्मानजनक सफलता के साथ-साथ मालवा क्षेत्र मध्य प्रदेश एवं भारत की जैन समाज के लिए हर्ष और गौरव की बात है । दद्दू ने कहा कि श्री सिंघई दीपक जैन मूल रूप से सुसनेर जन्मे है इनकी शिक्षा इंदौर में हुई है इन्होंने अल्प समय में अपनी कड़ी मेहनत एवं ईमानदारी से स्थापित झूठ की ब्लू कर्सर इंफोटेक कंपनी को काफी ऊंचाई पर पहुंचाया है देश ही नहीं वरन विदेशों में भी ब्लू कर्सर इन्फोटेक का नाम भली भांति परिचित है। दीपक जैन सुसनेर के प्रतिष्ठित परिवार बड़ा जीनवाले सिंघई परिवार से जैसवाल जैन समाज इंदौर के अध्यक्ष रिटायर्ड जिला परिवहन अधिकारी पी सी जैन के गौरव शाली पुत्र है *इस उपलब्धि पर इंदौर दिगम्बर जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ जैनेन्द्र जैन महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र कांसल हंसमुख गांधी टीके वेद सुशील पांड्या भुपेंद्र जैन एवं फेडरेशन की राष्ट्रीय शिरोमणि संरक्षिका पुष्पा कासलीवाल श्रीमती मुक्ता जैन एवं संपूर्ण जैन समाज इष्ट मित्रो रिश्तेदारों सहित सैकड़ों लोगों के द्वारा दीपक जैन को हार्दिक हार्दिक बधाई देते हुए इनके ओर उज्वल भविष्य की कामना की है।

वेद ज्ञान

सभी सुखों की जननी सद्बुद्धि

समस्त दुखों की जननी कुबुद्धि है और समस्त सुखों और शांति की जननी सद्बुद्धि है। कुबुद्धि हमें आनंद से वंचित करके नाना प्रकार के क्लेश, भय और शोक-संतापों में फंसा देती है। जब तक यह कुबुद्धि रहती है तब तक कितनी ही सुख सामग्री प्राप्त होने पर भी चैन नहीं मिलता। एक चिंता दूर नहीं हो पाती कि दूसरी सामने आ खड़ी होती है। इस विषम स्थिति से छुटकारा पाने के लिए सद्बुद्धि जरूरी है। इसके बिना शांति मिलना किसी भी प्रकार संभव नहीं। संसार में जितने भी दुख हैं, कुबुद्धि के कारण हैं। लड़ाई-झगड़ा, आलस्य, दरिद्रता, व्यसन, व्यभिचार, कुसंग आदि के पीछे मनुष्य की दुर्बुद्धि ही काम करती है। इन्हींकारणों से रोग, अभाव, चिंता, कलह आदि का भी प्रादुभाव होता है और नाना प्रकार की पीड़ाएं सहनी पड़ती हैं। कर्म का फल निश्चित है, खराब कर्म का फल खराब ही होता है। कुबुद्धि से बुरे विचार बनते हैं। उपासना के फलस्वरूप मस्तिष्क में सद्विचार और हृदय में सद्भाव उत्पन्न हो जाते हैं, जिसके कारण मनुष्य का जीवनक्रम ही बदल जाता है। अंगीठी जलाकर रख देने से जिस प्रकार कमरे की सारी हवा गर्म हो जाती है और उसमें बैठे हुए सभी मनुष्य सर्दी से मुक्त हो जाते हैं। उसी प्रकार घर के थोड़े से व्यक्ति भी यदि सच्चे मन से सद्बुद्धि की शरण लेते हैं तो उन्हें स्वयं तो शांति मिलती ही है, साथ ही उनकी साधना का सूक्ष्म प्रभाव घर भर पर पड़ता है और चिंताजनक मनोविकारों का शमन होने व सुमति, एकता, प्रेम, अनुशासन और सद्भाव की परिवार में वृद्धि होती है। साधना निर्बल हो तो प्रगति धीरे-धीरे होती है, पर होती अवश्य है। सद्बुद्धि एक शक्ति है जो जीवनक्रम को बदलती है। उस परिवर्तन के साथ-साथ मनुष्य की परिस्थितियां भी बदलती हैं। सद्बुद्धि आत्म-निरीक्षण आत्म-शुद्धि आत्म-उन्नति और आत्म-साक्षात्कार करने की शक्ति उत्पन्न कर देती है। जैसे ही मनुष्य के अंतःकरण में सद्बुद्धि का पदार्पण होता है वैसे ही वह अपनी कठिनाइयों का दोष दूसरों को देना छोड़कर आत्म-निरीक्षण आरंभ कर देता है। अपने अंदर जो त्रुटियां हैं, उन्हें तलाशता और हटाता है।

संपादकीय

भाषा किसी धर्म की नहीं होती...

सर्वोच्च न्यायालय ने उर्दू को भारतीय भाषा बताते हुए बिल्कुल सही, कहा है कि भाषा एक समुदाय, एक क्षेत्र और लोगों की होती है; किसी धर्म की नहीं। उर्दू का इस्लाम से कोई संबंध नहीं। भारत में जन्मी यह भाषा गंगा-जमुनी तहजीब या हिन्दुस्तानी तहजीब का बेहतरीन नमूना है। अदालत के इस फैसले की तारीफ होनी चाहिए। हम एक ऐसे दौर में रह रहे हैं, जब जीवन से जुड़ी तमाम चीजों को मजहब की रोशनी में देखने की कोशिश हो रही है। ऐसे में उर्दू को भी चुनौती दी जा रही है। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और के विनोद चंद्रन की पीठ ने पातुर शहर के पूर्व पार्षद की याचिका उचित ही खारिज कर दी है। अफसोस, पातुर की नगर परिषद के साइनबोर्ड पर उर्दू के इस्तेमाल को चुनौती दी गई थी और मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच गया था। अदालत ने साफ कर दिया कि संविधान के तहत उर्दू और मराठी को समान दर्जा प्राप्त है। यह दावा ठीक नहीं कि उर्दू को हटाकर केवल मराठी का ही प्रयोग किया जाए। निस्संदेह, भाषा के मामले में संवेदनशील रहना जरूरी है। यह एक गलत धारणा है कि हिंदी केवल हिंदुओं की भाषा है और उर्दू केवल मुस्लिमों की अदालत ने बहुत साफगोई से यही बात कही है और भाषा को धर्म की ओर धकेलने के लिए औपनिवेशिक शक्तियों को दोषी ठहराया है। सचमुच, यह एक गलत धारणा है कि उर्दू भारत के लिए विदेशी है। यह एक ऐसी सुंदर भाषा है, जो भारत भूमि पर ही विभिन्न भाषाओं के मेल से बनी है। यह बात भी समझना जरूरी है कि धर्म की कोई भाषा नहीं और भाषा का कोई धर्म नहीं होता। भाषा का आधार केवल क्षेत्रीयता और समाज की जरूरत है। समाज की जरूरत के हिसाब से भाषा का रूप बदलता रहता है। भारत जैसे विविध धर्मों और भाषाओं वाले देश में तो भाषा व धर्म के बीच कोई भी जुड़ाव देखना एक बांटने वाली बात भाषा का मूल मकसद आपसी संवाद या संचार है। परस्पर संवाद के लिए ही उर्दू का जन्म हुआ था, समाज ने सुविधा के अनुरूप एक भाषा को गढ़ा और उसमें बेहतरीन साहित्य लिखा गया। उर्दू के साथ समस्या यह हुई कि देश के विभाजन के समय जो देश मजहब के आधार पर बना, उसने उर्दू को अपनी भाषा के रूप में प्राथमिकता दी। पाकिस्तान में उर्दू आज मुख्य भाषा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यह कोई मजहबी भाषा हो। यह भी ध्यान रखने की बात है कि जब पाकिस्तान ने उर्दू के साथ जरूरत से ज्यादा लगाव दिखाया, तो वह टूट गया। मतलब, किसी भी भाषा को थोपने से समाज में टूटन पैदा होती है और सर्वोच्च अदालत में पेश याचिका को तोड़ने की ही एक साजिश कहा जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने बिल्कुल सही इशारा किया है कि हमें अपनी विविधता का सम्मान करना चाहिए और उसमें आनंद लेना चाहिए। भारत में सौ से ज्यादा प्रमुख भाषाएं हैं। ऐसी अन्य भाषाएं भी हैं, जिन्हें बोलियां कहा जाता है। बोलियां भी अनगिनत हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

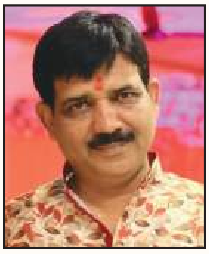

परिदृश्य

वक्फ कानून और विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने संशोधित वक्फ कानून की सुनवाई करते हुए इस कानून के विरोध के बहाने हुई हिंसा पर चिंता तो जताई, लेकिन अच्छा होता कि वह केवल इतने तक ही सीमित नहीं रहता। उसे वक्फ कानून के विरोध के नाम पर हिंसा करने वालों को सख्त संदेश देने के साथ ही राज्य सरकारों और विशेष रूप से बंगाल सरकार को निर्देश देने चाहिए थे कि इस हिंसा पर हर हाल में लगाम लगे। उसे इसका भी संज्ञान लेना चाहिए था कि मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून विरोधियों की भीषण हिंसा के चलते वहां के अनेक हिंदुओं को जान बचाने के लिए पलायन करना पड़ा है और इसका कोई ठिकाना नहीं कि वे अपने घरों को लौट सकेंगे या नहीं? उससे मुर्शिदाबाद की हिंसा पर ध्यान देने की अपेक्षा इसलिए थी, क्योंकि उसके समक्ष इसकी गुहार लगाई जा चुकी है। वक्फ कानून पर सुनवाई करते समय सुप्रीम कोर्ट ने जहां इस कानून में कुछ सकारात्मक बदलावों का उल्लेख किया, वहीं उसके कुछ प्रविधानों पर सवाल खड़े करते हुए सरकार को नोटिस भी जारी किया। कहना कठिन है कि इन सवालों के जवाब मिलने पर उसका दृष्टिकोण क्या होगा, लेकिन पहली ही सुनवाई के दौरान एक समय उसने अंतरिम आदेश पारित करने का जो संकेत दिया, उसकी आवश्यकता नहीं थी। वक्फ कानून पर पहले संयुक्त संसदीय समिति में व्यापक चर्चा हुई और फिर संसद के दोनों सदनों में। जिस कानून में महीनों की बहस के बाद संशोधन किए गए हों, उस पर अंतरिम आदेश जारी करने की जल्दबाजी नहीं दिखाई जानी चाहिए। यह ठीक है कि वक्फ कानून को लेकर 70 से अधिक याचिकाएं दायर की गई हैं, जिनमें अधिकतर उसके विरोध में हैं, लेकिन इसकी अनदेखी न की जाए कि यह एक महत्वपूर्ण कानून है और उसके कुछ प्रविधानों में संशोधन आवश्यक हो गए थे। वक्फ कानून की संवैधानिकता की परख में हर्ज नहीं। सुप्रीम कोर्ट को ऐसा करना ही चाहिए, लेकिन अंतरिम आदेश देने के पहले दोनों पक्षों के विचार सुनना आवश्यक है। इस आवश्यकता की पूर्ति के साथ ही संसद से पारित किसी कानून का सड़कों पर उतरकर हिंसक तरीके से विरोध करने की प्रवृत्ति को हतोत्साहित भी किया जाना चाहिए। तब तो और भी, जब उस कानून पर सुनवाई हो रही हो। पिछले कुछ समय से यह प्रवृत्ति बढ़ी है। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून का सड़कों पर उतरकर विरोध किया गया था। इस दौरान अराजकता का भी प्रदर्शन किया गया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उसका यथोचित तरीके से संज्ञान नहीं लिया। इससे खराब स्थिति तब बनी, जब कृषि कानूनों का उग्र तरीके से विरोध किया गया। ऐसा इसलिए भी हुआ, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने कृषि कानूनों की वैधानिकता पर विचार किए बिना उनके अमल पर रोक लगा दी थी। अब ऐसा नहीं होना चाहिए।

णमोकार तीर्थ प्रचार रथ 25 शहरों में घूमेगा

पालक मंत्री संजय शिरसाट ने किया लोकार्पण

छत्रपति संभाजीनगर : आचार्य देवनंदीजके गुरुदेव की प्रेरणा से नासिक जिले के मालसाने में निर्माणाधीन णमोकार तीर्थ का प्रचार रथ भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव के निमित्त 25 शहरों में घूमेगा। 6 से 13 फरवरी 2026 को णमोकार तीर्थ का भव्य पंचकल्याणक महोत्सव होगा. इस कार्यक्रम की जानकारी जनसामान्य को हो इस उद्देश्य से प्रचार रथ बनाया गया है। प्रथम प्रचार रथ का उद्घाटन आचार्य देवनंदीजी गुरुदेव, आचार्य कुमुदनंदीजी गुरुदेव के सानिध्य में णमोकार तीर्थ में हुआ. साथ ही छत्रपति संभाजीनगर में इसी प्रकार के रथ का लोकार्पण शहर के पालक मंत्री संजय शिरसाट ने किया। इस अवसर पर न्या कैलास चांदीवाल, पूर्व महापौर विकास जैन, आचार्य देवनंदीजी गुरुभक्त परिवार के णमोकार तीर्थ के न्यासी ललित पाटणी, रवि पहाड़े, विपिन कासलीवाल, देवेन्द्र काला महेंद्र ठोले, जीतेंद्र पहाड़े, प्रकाश ठोले, मानिकचंद गंगवाल डॉ आरसी बड़जाते, नरेंद्र अजमेरा, पीयूष कासलीवाल, छत्रपति संभाजीनगर में णमोकार तीर्थ प्रचार रथ का लोकार्पण करते हुए पालक मंत्री संजय शिरसाट, साथ हैं अन्य अतिथि।

2026 में पंचकल्याणक महोत्सव

6 से 13 फरवरी 2026 को पंचकल्याणक महोत्सव कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होगा. इस महोत्सव का प्रचार-प्रसार हो इसके लिए इस रथ का निर्माण किया गया है. प्रचार-प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा व पीयूष कासलीवाल ने बताया कि यह रथ छत्रपति संभाजीनगर के साथ नासिक, कोपरगांव, नांदगांव, मालेगांव, कन्नड़, सोलापुर, नांदेड़, कोल्हापुर, अकलूज, पुणे, औंढा, पैठण के साथ कई शहरों में एक ही समय घूमेगा. वर्धमान बाकलीवाल, मनोज दगड़ा, विनोद लोहाड़े, महावीर सेठी, एमआर बड़जाते, डॉ रमेश बड़जाते, शैलेश पाटणी, भरत ठोले, आरआर पहाड़े, नीलेश काला, मनोज पाटणी, बाहुबली गंगवाल, श्री क्षेत्र कचनेर के अध्यक्ष सुनील पाटणी, राजू चांदीवाल, संतोष कासलीवाल, मनोज चांदीवाल, महावीर गंगवाल, सुनील

सेठी, वर्धमान कासलीवाल, महावीर कासलीवाल, जीवन गंगवाल, प्रकाश लोहाड़े, विजय कासलीवाल, मनोज काला, मुकेश कासलीवाल, दिलीप कासलीवाल, अमित कासलीवाल, हेमंत गंगवाल, भीकचंद लोहाड़े, अनिल कासलीवाल आदि मौजूद थे. **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

महावीर पब्लिक स्कूल में जागरूकता सत्र आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। 17 अप्रैल, 2025 को महावीर पब्लिक स्कूल में एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया, जिसमें महाराष्ट्र के विश्व रिकॉर्ड धारक, पर्वतारोही, साइकिल चालक और पर्यावरणविद् सुबोध विजय गंगुर्डे ने भाग लिया। इस सत्र में शिक्षकों के साथ कक्षा 9वीं व 10वीं के छात्रों ने भाग लिया। श्री गंगुर्डे ने 365 दिनों में 371 फोटर्स पर चढ़ने तथा हिमालय और सह्याद्री पर्वतमाला में 600 से अधिक पहाड़ों पर चढ़ने की अपनी प्रेरक यात्रा छात्रों से साझा की। अपने अनुभवों व व्यक्तिगत कहानियों के माध्यम से, उन्होंने छात्रों को पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाने, शारीरिक रूप से सक्रिय रहने और राष्ट्रीय गौरव की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया। सत्र में स्कूल परिसर के भीतर एक वृक्षारोपण अभियान भी शामिल था, जिसमें छात्रों को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में छोटे कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। स्कूल ने श्री गंगुर्डे को उनके प्रयासों और प्रेरक योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किया। इस कार्यक्रम ने छात्रों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा और छात्र प्रकृति के काफी नजदीक आ पाए।

सैनिक सीमा की रक्षा कर रहे हैं इसलिए हम यहां शांति से महोत्सव कर रहे हैं: आचार्य विशुद्ध सागर जी

नूतन वेदी में विराजे त्रिलोकी नाथ, मंदिर हुआ पूर्ण

मूलनायक भगवान को विराजमान करने का सौभाग्य मिला अनिल जैन को

खरगोन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव मूल नायक भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा सहित 11 प्रतिमाओं की नूतन वेदी में स्थापना के साथ संपन्न हुआ। प्रातः काल राधा कुंज सभागृह से बग्गियों में निकला भव्य जुलूस दर्शनीय रहा। तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जय जय कारों के साथ श्रमणाचार्य अहिंसा परमो धर्म के उपदेशक,आध्यात्मिक योगी, धरती के देवता, शताब्दी देशनाकार श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ की पावन उपस्थिति में शोभायात्रा श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर पोस्ट ऑफिस चौराहा पहुंची। जहां मूलनायक भगवान महावीर को नूतन वेदी में विराजमान करने का सौभाग्य प्रखर अनिल रीना जैन सेंट्रो को मिला। शांतिनाथ भगवान अरुण, तरुण,वरुण धनोते, सुमतिनाथ भगवान प्रदीप राजमल जैन, शीतलनाथ भगवान गजेंद्र चौधरी इंदौर, चंद्रप्रभ भगवान स्वर्ण प्रभा सुरेंद्र जैन,सौरभ जैन, पदमप्रभ भगवान डॉक्टर अंकिता जैन, बाहुबली भगवान प्रवीण जैन बड़वाह, आदिनाथ भगवान प्रदीप जैन दाल वाले, महावीर भगवान विमलचंद्र जैन वकील,मुनिसुव्रतनाथ भगवान हुकुमचंद जैन लड्डू परिवार, पार्श्वनाथ भगवान अशोक अभिषेक जैन, सिद्ध भगवान रमेश चंद्र जैन ने नूतन वेदी में विराजमान करने का सौभाग्य प्राप्त किया। सबके दिन एक जैसे नहीं होते हैं आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने अपनी मंगल देशना में कहा कि जीवन में हर किसी का महत्व है। किसी के महत्व को हम कम नहीं कर सकते हैं, सैनिक, डॉक्टर, इंजीनियर,शिक्षक, किसान, विद्वान,लेखक सबका महत्व है। आज हम देश में स्वतंत्र विचरण कर रहे हैं। यहां इतना बड़ा महोत्सव हो रहा है यह सब इसलिए संभव हुआ कि देश का सैनिक सीमा पर हमारी सब की रक्षा कर रहा है। सैनिक सीमा पर गोली खाता है तो डॉक्टर उसकी चिकित्सा करता है, सभी की अपनी अपनी जिम्मेदारियां हैं। कोई भी छोटा या बड़ा नहीं होता है,कोई आज गरीब है तो कल अमीर होगा। ध्यान रहे सब के दिन एक जैसे नहीं होते हैं। आचार्य श्री ने कहा कि जिस प्रकार कमरा खाली छोड़ने से वहां कचरा, जीव जंतुओं का बसेरा हो जाता है, इसी प्रकार बुद्धि को खाली छोड़ने से बुद्धि में कचरा हो जाता है। बुद्धि को हमेशा सक्रिय रखें, समाज को हमेशा विद्वानों का सम्मान करना चाहिए,लेकिन विद्वान को कभी धन का भिखारी नहीं बनना चाहिए। पालकों को मार्गदर्शन देते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों पर कभी भी अपनी भावनाएं नहीं थोपना चाहिए,देखा-देखी उन्हें बड़ा मत बनाओ, उन्हें उनकी योग्यता अभिरुचि से आगे बढ़ने दो।

युवा पत्रकार हर्षित जैन विवाह बंधन में बंधे

मीडिया बन्धु, राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी गण ने शामिल होकर नव दम्पति युगल को दी शुभकामनाएं एवं बधाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान पत्रिका में धार्मिक संवाददाता हर्षित जैन का शुभ विवाह चंदा(काजल) के साथ श्री श्याम पैरेडाइज राजावत फार्म एस एफ एस में धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष एवं राजस्थान जैन सभा जयपुर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष एवं राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, जैन सिटीजन फाऊंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गोधा, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री यशकमल अजमेरा, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के सांगानेर सम्भाग के अध्यक्ष एवं राजस्थान जैन सभा जयपुर के कार्यकारिणी सदस्य चेतन जैन

निमोडिया, राजस्थान जैन सभा जयपुर के कार्यकारिणी सदस्य जिनेन्द्र जैन जीतू, श्री धर्म जागृति संस्थान के सक्रिय पदाधिकारी राजीव जैन लाखना, शाबाश इण्डिया ई समाचार पत्र के प्रधान सम्पादक एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के संस्थापक अध्यक्ष राकेश गोदीका, जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर के पूर्व अध्यक्ष दीपक गोधा, अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद के मीडिया प्रभारी नरेश कासलीवाल, संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा, सचिव दीपा गोधा, संगिनी फारम जेएसजी कैपिटल की पूर्व अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध गायिका समता गोदीका, संगीता गोधा, नीना कासलीवाल सहित बड़ी संख्या में विभिन्न धर्मो के गणमान्य लोग, मीडिया बन्धु, राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी गण ने शामिल होकर नव दम्पति युगल को भावी जीवन के लिए मंगलमय कामना करते हुए शुभकामनाएं दी।

माइग्रेन क्या है?

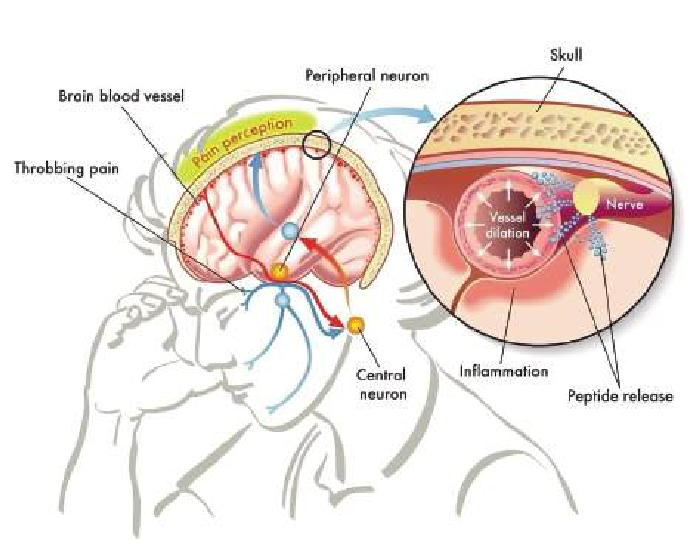

#माइग्रेन सिर में महसूस होने वाला एक धड़कते हुए प्रकार का दर्द है; यहां तक कि आपके माथे के किनारों में भी आपको दर्द महसूस हो सकता है। यह आपके सिर में तंत्रिका और रक्त परिसंचरण के असंतुलन के कारण हो सकता है। शोधकर्ताओं को अभी तक इसका कोई सटीक कारण नहीं मिला है।

माइग्रेन के लक्षण :- धड़कते हुए #सिरदर्द, #रोशनी, शोर और #गंध को सहन करने में कठिनाई, बार-बार दर्द होना, धुंधली दृष्टि, टिमटिमाती रोशनी दिखाई देना, कुछ मामलों में #उल्टी के बाद दर्द कम हो जाता है। कभी-कभी आपको केवल उल्टी की प्रवृत्ति (मतली) का ही अनुभव हो सकता है।

माइग्रेन के प्रकार :- माइग्रेन कई प्रकार का होता है। आपको आभा के साथ या उसके बिना भी माइग्रेन हो सकता है। जब आपके सामने एक रंगीन आभा के साथ सिरदर्द हो रहा हो तो यह क्लासिकल माइग्रेन या आभा वाला माइग्रेन है। यदि आपको बिना आभा के तेज सिरदर्द हो रहा है, तो यह एक सामान्य प्रकार का माइग्रेन है। माइग्रेन के अन्य प्रकार भी होते हैं जैसे पेट का माइग्रेन, साइलेंट माइग्रेन (साइलेंट माइग्रेन बिना सिरदर्द के होता है), हेमिप्लेजिक माइग्रेन आदि। माइग्रेन की समस्या होने पर आपको मांसपेशियों में कमजोरी, चक्कर आना आदि भी हो सकता है।

माइग्रेन का आयुर्वेदिक इलाज :- माइग्रेन का आयुर्वेदिक उपचार कई तरह के हो सकते हैं, जो व्यक्ति के लक्षणों, प्रकृति और शारीरिक स्थिति पर आधारित होते हैं। यहाँ कुछ आयुर्वेदिक सुझाव दिए जा रहे हैं जो माइग्रेन के लिए लाभदायक हो सकते हैं:

शीतलीकरण :- माइग्रेन के लिए अधिकतम आराम के लिए, शीतलीकरण का उपयोग किया जा सकता है। यह ठंडे पानी के तंतु या ठंडा पानी का इमरशन, ठंडा धुपना या शीतलक हैडपैक का उपयोग शामिल कर सकता है।

नस्या चिकित्सा :- नस्या चिकित्सा में नासिका में तेल या दवाई की ड्रॉप्स का इस्तेमाल किया जाता है। यह मस्तिष्क को शांति प्रदान कर सकता है और माइग्रेन के लक्षणों को कम कर सकता है।

आहार और व्यायाम:- #आहार में समृद्ध तत्वों को शामिल करना और नियमित व्यायाम करना भी माइग्रेन के लिए मददगार हो सकता है। अधिकतम पानी पीना और संतुलित आहार का सेवन करना भी फायदेमंद हो सकता है।

प्राकृतिक औषधियाँ :- आयुर्वेद में कई प्राकृतिक औषधियों का उपयोग माइग्रेन के लिए किया जाता है। जैसे कि जीरा, सोंठ, अजवाइन, त्रिफला, और शंख पुष्पी।

योग और प्राणायाम :- #योग और प्राणायाम के अभ्यास माइग्रेन के लिए स्थिरता और आत्म-संयम प्रदान कर सकते हैं। कुछ आसन और प्राणायाम जैसे कि भ्रामरी, नाडी शोधन प्राणायाम, और शवासन विशेष रूप से लाभकारी हो सकते हैं। किसी भी नई चिकित्सा या औषधि का उपयोग करने से पहले, डॉक्टर या आयुर्वेदिक चिकित्सक से परामर्श करना सुरक्षित होता है। यह आपको सही और प्रभावी उपचार प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

डा पीयूष त्रिवेदी,
आयुर्वेद विशेषज्ञ शासन सचिवालय जयपुर ।
9828011871

श्री राजेश-श्रीमती रानी पाटनी
सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

18 अप्रेल' 25

की वैवाहिक वर्षगांठ पर
हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
शुभेच्छु
अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या
संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका
कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन
सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया
एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

जवाहर कला केंद्र द्वारा आयोजित जयपुर नाट्य समारोह में पहले दिन ओम प्रकाश सैनी के निर्देशन में खेला जायेगा नाटक चंडालिका

जयपुर. शाबाश इंडिया। 18 अप्रेल को जवाहर कला केंद्र के रंगायन सभागार में गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर जी की कालजयी रचना चंडालिका का मंचन, आमेर जयपुर के युवा रंगमंच कलाकार ओम प्रकाश सैनी के निर्देशन में खेला जायेगा ' मूल रूप से अंग्रेजी गीति नृत्य नाटिका के हिंदी अनुवाद का नाट्य रूपान्तरण परिकल्पना और नाटक को साहित्यिक शैली एवं नृत्य की परिकल्पना भी निर्देशक द्वारा की गयी ' जिसमें तकनिकी निर्देशक एवं कला निदेशक कलाकार विकास सैनी का है, नाटक का संगीत संयोजन प्रवीण कुमावत करेंगे ' सहायक निर्देशक में मानवेन्द्र सिंह है ' नृत्य निर्देशन आरोही टिंकर और ख्याति श्रीमाली द्वारा किया गया है ' नाटक की प्रॉपटी नन्हे कलाकारों दीपशिखा सैनी, अवनी सैनी, खुशांक एवं युग सैनी द्वारा तैयार की गयी है ' वस्त्र विन्यास सुनीता सैनी, एवं हंसा सैनी ने किया है साथ रूप सज्जा में विवेक माथुर रहेंगे। यह नाटक चंडालिका जवाहर कला केंद्र में 30 दिवसीय प्रस्तुति परक नाट्य कार्यशाला में तैयार किया गया है जिसमें अधिकांश सभी नये कलाकार है और जवाहर कला केंद्र में पहली बार प्रस्तुति देंगे ' रविंद्र मंच के बाद चंडालिका नाटक की यह दूसरी प्रस्तुति है ' निर्देशक ने बताया की नाटक चंडाल जाती के लोगो के साथ हुए जातिगत भेदभाव एवं चंडाल जाती की महिलाओ की मनोदशा को दर्शाता है।

क्रेडाई रियल एस्टेट एक्सपो 2025 का आरआईसी में आगाज

दीया कुमारी ने किया उद्घाटन, बोलीं-जयपुर को सुनियोजित और हरित शहर बनाने का प्रयास करें

जयपुर. कासं। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में क्रेडाई राजस्थान की ओर से आयोजित रियल एस्टेट एक्सपो 2025 का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया। इस मौके पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा, विधायक बालमुकुंदाचार्य और किसान आयोग अध्यक्ष सीआर चौधरी समेत कई अतिथि उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में दीया कुमारी ने जयपुर को सुनियोजित और हरित शहर बनाए रखने के लिए सभी रियल एस्टेट डेवलपर्स से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि जयपुर आज भी अपनी सुंदरता और प्लानिंग के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। अब समय है कि हम इसे विकसित जयपुर ग्रीन जयपुर के रूप में आगे बढ़ाएं। झाबर सिंह खर्रा ने एक्सपो को जनसाधारण को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ आवास उपलब्ध कराने की दिशा में एक ठोस प्रयास बताया और कहा कि हरित निर्माण और पर्यावरण संतुलन को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई जानी चाहिए। एक्सपो में जयपुर, अजमेर, अलवर, उदयपुर सहित राजस्थान के कई शहरों के 40 से अधिक प्रमुख रियल एस्टेट ग्रुप्स हिस्सा ले रहे हैं। 50 से अधिक स्टॉल्स पर फ्लैट, विला, फार्म हाउस, दुकान और प्लॉट्स जैसी 400+ प्रॉपर्टी मॉडल्स को प्रदर्शित किया गया है। एक्सपो में ऑन द स्पॉट बुकिंग करने वाले ग्राहकों को विशेष छूट और आकर्षक ऑफर्स दिए जा रहे हैं। इसके साथ ही ऑन साइट विजिटिंग फेसेलिटी की सुविधा भी दी गई है, जिससे खरीदार मौके पर जाकर प्रॉपर्टी का अवलोकन कर सकते हैं। एक्सपो में म्यूजिक, एंटरटेनमेंट और फूड स्टॉल्स के माध्यम से विजिटर्स के अनुभव को और भी आनंददायक बनाया गया है। क्रेडाई राजस्थान के चेयरमैन गोपाल गुप्ता ने कहा कि यह एक्सपो न केवल रियल एस्टेट सेक्टर को प्रोत्साहित करता है, बल्कि ग्राहकों को उनके सपनों का घर चुनने के लिए एक अनूठा मंच भी प्रदान करता है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380
दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

हर बूँद अमूल्य है– भीलवाड़ा में जल सरीता का प्रेरणादायक शुभारंभ

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

जल है तो जीवन है – इसी संदेश को लेकर आज भीलवाड़ा शहर में एक नई उम्मीद की धार बही। भीलवाड़ा शहर महिला मंडल के तत्वावधान में 'जल सरीता' नामक जल संरक्षण परियोजना का भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और सामाजिक जिम्मेदारी के माहौल में आदिनाथ जैन मंदिर परिसर में संपन्न हुआ। महामंत्री अर्पिता खमेसरा ने बताया की कार्यक्रम की शुरूआत महामंत्र नवकार मंत्र की ध्वनि से की गई। कार्यक्रम की मुख्य प्रेरणा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती मधु लोढ़ा रहीं, जिन्होंने उपस्थितजनों को जल की महत्ता समझाते हुए कहा, पानी केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि हर प्राणी के जीवन का आधार है। जल सरीता इस सोच को जागृत करने का एक प्रयास है, ताकि हम अपनी धरती को जल-समृद्ध और संतुलित बना सकें। कोषाध्यक्ष रेखा डांगी ने बताया कि कार्यक्रम हेमंत लीला जी कोठारी की अध्यक्षता व मुख्य अतिथि के रूप में अनिल जी कोठारी के सानिध्य में कार्यक्रम करवाया गया। इस अवसर पर श्री संघ के वरिष्ठ मार्गदर्शक नाथूलाल छाजेड़, महामंत्री पारसमल कुकड़ा ,सुनील नागौरी, मानमल डांगी, प्रदीप सिसोदिया, भूपेश सिंघवी, लक्ष्मी लाल खमेसरा, संदीप बाफना, रिखब भंडारी, मनीष सेठी,सहित महिला मंडल की संरक्षिका सुशीला छाजेड़ मार्गदर्शिका प्रेम बाई खमेसरा इंदिरा खमेसरा , अरुणा पोखरणा ,नमिता डांगी, लाड देवी बम, प्रियदर्शना बम, चंचल छाजेड़, ऋषिका खमेसरा, मंजू छाजेड़, अभिलाषा पानगढ़िया, अरुणा पोखरणा ,ललिता खमेसरा ,ज्योति कोठारी, रिंकू पोखरणा ,सुशीला खमेसरा, डिंपल सिंघवी, मंजू खमेसरा, इंदु खटोड़, कोमल जैन, रीना नागोरी, दीपा चौधरी , सहित मंडल के कई बहन उपस्थित थी। कार्यक्रम का समापन जयकारों के जय घोष के साथ हुआ। भीलवाड़ा शहर महिला मंडल की इस अनूठी पहल की सभी ओर से प्रशंसा हो रही है।

गिरिराज शरण हुए ''राष्ट्रीय सेवा पुरस्कार 2025'' से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

समाजसेवी आध्यात्म वक्ता कुमार गिरिराज शरण हुए ''राष्ट्रीय सेवा पुरस्कार 2025'' से सम्मानित हुए। समाज सेवा,गौं सेवा ,जनसेवा को अपना जीवन समर्पित कर चुके जयपुर के आध्यात्म वक्ता कुमार गिरिराज शरण को भारत सेवा सोसाइटी ने ''राष्ट्रीय सेवा पुरस्कार 2025'' से पुरस्कृत किया । इससे पहले भी सामाजिक और धार्मिक कार्यों के लिए कुमार को भगवा रत्न,नोबल पुरस्कार,गौरव रत्न,श्याम भूषण जैसी पदवीयो अलंकृत किया जा चुका है। शरण द्वारा सम्पूर्ण भारत की 48672 किलो मीटर की धार्मिक यात्रा भी कर चुके है।

सत्य भारती स्कूल में आधुनिक टैब लैब एवं डिजिटल कक्षा कक्ष का उद्घाटन

कुलदीप टेलर. शाबाश इंडिया

शेरगढ़। भारती एयरटेल फाउंडेशन द्वारा संचालित सत्य भारती स्कूल तेना में एसडीऍम भवानी सिंह द्वारा आधुनिक तकनीक से सुजज्जित टैबलैब और क्यान प्रोजेक्टर कक्षा कक्ष का उद्घाटन किया।इस अवसर पर एसडीऍम ने दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्र के बच्चो को सत्य भारती स्कूल के माध्यम से आधुनिक गुणवतापूर्ण आधुनिक तकनिकी उपकरणों तथा इन्टरनेट का उपयोग करते हुए दी जा रही शिक्षण सुविधाओं पर प्रसन्नता जाहिर की। एस डी ऍम ने स्कूल की सभी कक्षाओ का अवलोकन कर विद्यार्थियों से संवाद किया साथ ही शिक्षकों एवं अभिभावकों से बातचीत की जिसमें ग्राम जनों ने भारती एयरटेल फाउंडेशन द्वारा पिछले 17 वर्षो से चलाई जा रही इस विद्यालय की प्रसंशा करते हुए बताया कि इस विद्यालय के माध्यम से क्षेत्र के बच्चों को मिल रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ साथ विभिन्न जीवन कौशलों का निर्माण किया जा रहा जो कि बच्चों को उज्जवल भविष्य के साथ अच्छा नागरिक बनने में महत्त्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रहा है जो ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एसडीऍम ने स्कूल की सभी व्यवस्थाओं एवं प्रक्रियाओं को विस्तार से जाना साथ ही बच्चो कि सुरक्षा, शिक्षा का स्तर बढाने, सीखने कि रोचक एवं प्रभावी प्रक्रियाओ का प्रयोग, जीवन कौशल विकास हेतु किये जा रहे प्रयासों की सराहना की।

44 दिवसीय कल्याण मंदिर विधान महानुष्ठान में इकतीसवें दिवस दिन भक्ति भाव से हुई पूजा अर्चना

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महाराज के अंतिम दीक्षित शिष्य उपाध्यक्ष 108 श्री उर्जयंत सागर जी मुनिराज की प्रेरणा एवं सानिध्य में आज वैशाख कृष्णा चतुर्थी दिनांक 17 अप्रैल 2025 को 44 दिवसीय कल्याण मंदिर विधान महानुष्ठान महानुष्ठान के तीसवें दिवस सर्वविघ्नोंपद्रव विनाशक, सर्व रोग शोक संकट हराए, सर्व तुष्टि पुष्टि कराए, सर्व आदि व्याधि दोष ग्रह निवारक कल्याण मंदिर विधान पुजा भक्ति भाव से नाचते गाते आनन्द पुर्वक सम्पन्न हुई। मन्दिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कमल दीवान ने बताया कि आज के विधान के मुख्य पुण्यार्जक चिरंजीलाल संतोष कुमार, श्रीमती मनीता छाबड़ा परिवार, बालचंद, श्रीमती मुन्ना देवी दीवान परिवार विवेक विहार जयपुर एवं श्री तीनों नसियां महिला मंडल, जयपुर रहे। विधान की क्रियाएं पंडित पारस सौगाणी ने करवाई। आज विधान पूजा में श्रीमती अनिता जैन पार्षद जयपुर नगर निगम हैरिटेज भी सम्मिलित हुई। इस अवसर पर परम पूज्य उपाध्याय श्री ने अपने प्रवचनों में कल्याण मंदिर विधान कि महिमा से अवगत करवाया। विधान में कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक रुपेन्द्र (अशोक) छाबड़ा व संयोजक अनन्त कासलीवाल ने आगंतुकों का तिलक लगा माला पहनाकर सम्मान किया। मंदिर प्रबंध समिति के मंत्री संजय गोधा ने बताया कि कल बतीसवें दिवस दिनांक 18 अप्रैल 2025 को विधान के मुख्य पुण्यार्जक सुरेंद्र, विनोद बिलाला परिवार, अशोक कुमार जैन निमेडा वाले परिवार एवं दौलत पापडीवाल परिवार सी-स्कीम, जयपुर रहेंगे।

भीलवाड़ा में जल सरीता का प्रेरणादायक शुभारंभ

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

जल है तो जीवन है – इसी संदेश को लेकर आज भीलवाड़ा शहर में एक नई उम्मीद की धार बही। भीलवाड़ा शहर महिला मंडल के तत्वावधान में 'जल सरीता' नामक जल संरक्षण परियोजना का भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और सामाजिक जिम्मेदारी के माहौल में आदिनाथ जैन मंदिर परिसर में संपन्न हुआ। महामंत्री अर्पिता खमेसरा ने बताया की कार्यक्रम की शुरूआत महामंत्र नवकार मंत्र की ध्वनि से की गई। कार्यक्रम की मुख्य प्रेरणा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती मधु लोढ़ा रहीं, जिन्होंने उपस्थितजनों को जल की महत्ता समझाते हुए कहा, पानी केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि हर प्राणी के जीवन का आधार है। जल सरीता इस सोच को जागृत करने का एक प्रयास है, ताकि हम अपनी धरती को जल-समृद्ध और संतुलित बना सकें। कोषाध्यक्ष रेखा डांगी ने बताया कि कार्यक्रम हेमंत लीला जी कोठारी की अध्यक्षता व मुख्य अतिथि के रूप में अनिल जी कोठारी के सानिध्य में कार्यक्रम करवाया गया। इस अवसर पर श्री संघ के वरिष्ठ मार्गदर्शक नाथूलाल छाजेड़, महामंत्री पारसमल कुकड़ा ,सुनील नागौरी, मानमल डांगी, प्रदीप सिसोदिया, भूपेश सिंघवी, लक्ष्मी लाल खमेसरा, संदीप बाफना, रिखब भंडारी, मनीष सेठी,सहित महिला मंडल की संरक्षिका सुशीला छाजेड़ मार्गदर्शिका प्रेम बाई खमेसरा इंदिरा खमेसरा , अरुणा पोखरणा ,नमिता डांगी, लाड देवी बम, प्रियदर्शना बम, चंचल छाजेड़, ऋषिका खमेसरा, मंजू छाजेड़, अभिलाषा पानगढ़िया, अरुणा पोखरणा ,ललिता खमेसरा ,ज्योति कोठारी, रिंकू पोखरणा ,सुशीला खमेसरा, डिंपल सिंघवी, मंजू खमेसरा, इंदु खटोड़, कोमल जैन, रीना नागोरी, दीपा चौधरी , सहित मंडल के कई बहन उपस्थित थी। कार्यक्रम का समापन जयकारों के जय घोष के साथ हुआ। भीलवाड़ा शहर महिला मंडल की इस अनूठी पहल की सभी ओर से प्रशंसा हो रही है।